खास-खबरें

बीएसएनएल के जीर्णोद्धार के लिए सक्रिय प्रयास कर रही है सरकारः पेम्मासानी

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः संचार राज्य मंत्री पेम्मासानी चंद्रशेखर ने कहा कि सरकार सार्वजनिक दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल के जीर्णोद्धार के लिए सक्रिय प्रयास कर रही है। श्री पेम्मासानी ने यहां इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2026 का थीम जारी करने के अवसर पर कहा कि पिछले 10 साल में देश के दूरसंचार क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं। आज दुनिया में सबसे सस्ता डाटा भारत में है जो एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। मंत्रालय देश की हर गली-हर नुक्कड़ तक ब्रॉडबैंड कनेक्शन पहुंचाना चाहती है। उन्होंने कहा, 'हम बीएसएनएल के जीर्णोद्धार का सक्रिय प्रयास कर रहे हैं। हालांकि तेजी से बदलती प्रौद्योगिकी और बड़ी पूंजीगत निवेश की आवश्यकता इसमें चुनौती है। हम देख रहे हैं कि इस संबंध में क्या किया जा सकता है।' उन्होंने कहा कि स्कैम और फ्रॉड के मामले भी बढ़ रहे हैं। इसलिए, हमें सुरक्षा पर भी ध्यान देना होगा। उन्होंने निजी कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा हाल ही में अंतरिक्ष यान प्रक्षेपण को उल्लेखनीय उपलब्धि बतायी। उल्लेखनीय है कि वित्त वर्ष 2025-26 में बीएसएनएल का राजस्व बढ़कर 25 हजार करोड़ रुपये को पार कर चुका है। यह दो साल पहले 21 हजार करोड़ रुपये था। इसी अवधि में उसका परिचालन लाभ 50 करोड़ रुपये से बढ़कर सात हजार करोड़ रुपये रहा। हालांकि कंपनी अब तक शुद्ध मुनाफा नहीं कमा सकी है, लेकिन उसका नुकसान कम हो रहा है।मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी का राजस्व 10 प्रतिशत बढ़कर 4,418 करोड़ रुपये हो गया है।

एचडीएफसी बैंक ने सीएसआर गतिविधियों पर खर्च किए 1,316 करोड़ रुपये

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः निजी क्षेत्र के सबसे बड़े एचडीएफसी बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 में अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहलों पर 1,316.18 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। ये इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 से 248 करोड़ रुपये से अधिक की वृद्धि है। बैंक ने गुरुवार को जारी एक बयान में कहा कि उसने वित्त वर्ष 2025-26 में अपनी कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व पहल पर 1,316.18 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। यह पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 23 फीसदी अधिक है। उसकी सीएसआर पहल 'परिवर्तन' के माध्यम से अब तक 10.77 करोड़ से अधिक लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। एचडीएफसी बैंक ने कहा कि अपने इस कार्यक्रम के तहत अब तक लगभग 7,492 करोड़ रुपये का संचयी निवेश किया गया है। इसके तहत सीएसआर पहल अब देश के सभी 28 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों तक पहुंच चुकी हैं। बैंक के प्रमुख 'समग्र ग्रामीण विकास कार्यक्रम' का दायरा बढ़कर देश के 11,000 से अधिक गांवों तक पहुंच गया है, जबकि एक वर्ष पहले यह 10,430 से अधिक गांवों में संचालित था। बैंक ने बताया कि पिछले वित्त वर्ष के दौरान उसने दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में भी अपनी गतिविधियों का विस्तार किया और सीमा क्षेत्र के 498 गांवों तक अपनी पहुंच बढ़ाई, जबकि पिछले वित्त वर्ष यह संख्या 298 थी। यह पहल केंद्र सरकार के 'बॉर्डर क्षेत्र विकास कार्यक्रम' और 'वाइब्रेंट ग्रामीण कार्यक्रम' के तहत राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप है। एचडीएफसी बैंक के उप प्रबंध निदेशक कैजाद भरूचा ने कहा, "इस वर्ष एचआरडीपी को और मजबूत बनाने तथा सीमा क्षेत्र के गांवों तक पहुंच बढ़ाने के हमारे प्रयास इस प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

रुपया छह पैसे मजबूत

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबईः डॉलर की मांग सुस्त पड़ने से अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया छह पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 95.76 रुपये का बोला गया। भारतीय मुद्रा लगातार चौथे दिन बढ़त में बंद हुई है। यह चार दिन में 97 पैसे मजबूत हो चुकी है। पिछले कारोबारी दिवस पर यह 17 पैसे चढ़कर 95.82 रुपये पर बंद हुई थी। रुपया आज 12 पैसे की मजबूती के साथ 95.70 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। बीच कारोबार में इसमें काफी उतार-चढ़ाव देखा गया। सुबह के समय ही 95.80 रुपये प्रति डॉलर के दिन के निचले स्तर को छूने के बाद दोपहर बाद यह 95.48 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत हुआ। अंत में एक बार फिर इसका ग्राफ नीचे की ओर गया और 95.76 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल में तेजी से रुपये की बढ़त सीमित रही। पश्चिम एशिया में एक बार फिर तनाव बढ़ने से लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा सात प्रतिशत उछलकर 90 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया।

जैव ऊर्जा पर राजधानी में तीन दिवसीय सम्मेलन शुरू

भारत के हरित ऊर्जा संकल्प को मिलेगी एक नयी दिशा

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः राजधानी दिल्ली में जैव ऊर्जा पर तीन दिवसीय शिखर सम्मेलन- 'बायोएनर्जी ग्लोबल 2026' शुरू हुआ जिसमें 200 से अधिक इकाइयां अपने उत्पाद एवं प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन करेंगी।

यशोभूमि में इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर में 31 जुलाई तक चलने वाले इस कार्यक्रम के परिचर्चा सत्रों में दुनिया भर से आने वाले जैव ऊर्जा विशेषज्ञ, नीति निर्माता, उद्योगपति और वैज्ञानिक भारत को जैव ऊर्जा का वैश्विक केंद्र बनाने की वृहद योजना पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।

कन्फेडरेशन ऑफ बायोमास एनर्जी इंडस्ट्री ऑफ इंडिया के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल मोनीश आहूजा (सेवानिवृत्त) ने इसके बारे में जानकारी देते हुए पत्रकारों से कहाः 'भारत जैव ऊर्जा के एक नये युग में प्रवेश कर रहा है, जहां सरकार, उद्योग और किसानों का सामूहिक प्रयास एक महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। बायोएनर्जी ग्लोबल 2026 में मजबूत अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि जहां तक स्वच्छ ऊर्जा समाधानों का सवाल है, दुनिया में भारत का प्रमुख स्थान है।'

आयोजकों ने कहा है कि इस आयोजन के विभिन्न सत्रों को 50 से ज्यादा विशेषज्ञ संबोधित करेंगे और इन तीन दिनों में प्रदर्शनी में हजारों की संख्या में देश विदेश के व्यावसायिक प्रतिनिधियों के भाग लेने की संभावना है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य जैव ऊर्जा और नवीनीकरणीय ऊर्जा के जरिये जनमानस को स्वच्छ भारत और हरित भविष्य के प्रति जागरूक करना और भारत के हरित ऊर्जा संकल्प को एक नयी गति और मजबूती प्रदान करना है।

इस दौरान स्वच्छ ऊर्जा, सतत विकास और बायोएनर्जी क्षेत्र के नये नवाचारों का प्रदर्शन किया जा रहा है। इस सम्मेलन में जैव ऊर्जा विशेषज्ञ जैव ईंधन, बायोमास, बायोगैस, कंप्रेस्ड बायोगैस, कचरे से ऊर्जा, सतत विमानन ईंधन, बायो रिफाइनरी, नवीकरणीय ऊर्जा और चक्रीय अर्थव्यवस्था के विकल्पों पर चर्चाएं आयोजित की जा रही हैं।

इस आयोजन के प्रबंधन से जुड़ी मीरा ट्रेड फेयर मीडिया प्रा. लि. के प्रबंध निदेशक बलराम गुप्ता ने कहा, 'बायोएनर्जी ग्लोबल 2026 कार्यक्रम को सरकारी विभागों, उद्योग के दिग्गजों, तकनीकी नवप्रवर्तकों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों से मिले मजबूत समर्थन व भागीदारी से यह स्पष्ट है कि यह वास्तव में जैव ऊर्जा के भविष्य को आकार देने में एक बड़ा बदलाव लाने वाला आयोजन है।'

बायोएनर्जी ग्लोबल 2026 के पहले दिन एक सत्र में मीरा ट्रेड फेयर मीडिया के बलराम गुप्ता, कन्फेडरेशन ऑफ बायोमास एनर्जी इंडस्ट्री ऑफ इंडिया के अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट कर्नल आहूजा, श्री रवि पी. गुप्ता (मुख्य महाप्रबंधक, वैकल्पिक ऊर्जा, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन), श्री संभाजी कडू पाटिल (महानिदेशक, वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट, पुणे), डेनमार्क के दूतावास में ऊर्जा परामर्शदाता सुश्री जेनिफर डोर्पर और अन्य विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे।

ऑटो, तेल एवं गैस सेक्टरों में लिवाली से सेंसेक्स 274 अंक उछला

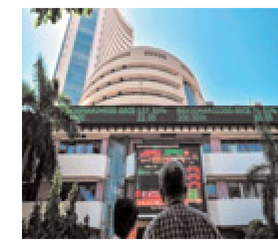

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबईः ऑटो और तेल एवं गैस सेक्टरों में लिवाली से गुरुवार को घरेलू शेयर बाजारों में प्रमुख सूचकांकों में तेजी देखी गयी और बीएसई का सेंसेक्स 273.55 अंक (0.35 प्रतिशत) चढ़कर 77,928.15 अंक पर बंद हुआ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 66.95 अंक यानी 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,317.15 अंक पर पहुंच गया। यह दोनों सूचकांकों का 17 जुलाई के बाद का उच्चतम स्तर है।

प्रमुख सेक्टरों के विपरीत वृहत बाजार में गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.33 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.56 प्रतिशत फिसल गया।

ऑटो सेक्टर में सबसे ज्यादा लिवाली देखी गयी। तेल एवं गैस, आईटी, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, मीडिया और धातु सेक्टरों में भी तेजी रही। रियल्टी, रसायन, वित्त, बैंकिंग, सीमेंट और एफएमसीजी सेक्टरों पर बिकवाली का दबाव रहा।

सेंसेक्स में मारुति सुजुकी और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर करीब पौने दो फीसदी चढ़े। रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय स्टेट बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एचडीएफसी बैंक और पावरग्रिड के शेयर एक से डेढ़ फीसदी तक मजबूत हुए। टेक महिंद्रा, सन फार्मा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर भी हरे निशान में रहे।

अडानी पोर्ट्स का शेयर सवा तीन फीसदी के नुकसान में रहा। इंडिगो, बजाज फिनसर्व, बीईएल, एक्सिस बैंक, टीसीएस, हिंदुस्तान यूनीलिवर, एशियन पेंट्स, कोटक महिंद्रा बैंक और आईटीसी के शेयर भी नीचे रहे।

सिंधिया ने भारतीय कंपनियों से दुनिया के लिए दूरसंचार प्रौद्योगिकी बनाने की अपील की

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि भारत 6जी में दुनिया का नेतृत्व करेगा और भारतीय कंपनियों से दुनिया के लिए प्रौद्योगिकी विकास की अपील की।

श्री सिंधिया ने यहां इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) की थीम जारी करने के मौके पर कहा कि दुनिया में अब तक जितनी भी क्रांति हुई है उनमें दूरसंचार क्रांति अनोखी है। इसने ऐसा अदृश्य हाईवे तैयार किया है जो दुनिया के हर व्यक्ति को एक-दूसरे से जोड़ने की क्षमता रखता है। उन्होंने दोहराया कि भारत ने 4जी में दुनिया का अनुसरण किया, 5जी में दुनिया के साथ चला और अब 6जी में दुनिया को नेतृत्व करेगा।

संचार मंत्री ने कार्यक्रम में मौजूद उद्योग प्रतिनिधियों से सिर्फ भारत के लिए नहीं, दुनिया के लिए प्रौद्योगिकी विकसित करने की अपील की। उन्होंने कहा, 'आईएमसी 2026 में हमें यह सुनिश्चित करना चाहिये कि प्रौद्योगिकी कैसे सीमाओं से परे भी पहुंचे।' साथ ही इस संस्करण में उद्योग की जिम्मेदारियों पर भी चर्चा का सुझाव दिया।

इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2026 की थीम 'स्केल बियांड बाउंड्रीज' (सीमाओं से परे विस्तार) रखी गयी है।

श्री सिंधिया ने हर व्यक्ति तक प्रौद्योगिकी पहुंचाकर उनके लिए अवसर सृजन की वकालत की। उन्होंने कहा, 'जब प्रौद्योगिकी हर नागरिक तक पहुंचती है, तो वह अवसरों का सृजन करती है और जब अवसर हर नागरिक तक पहुंचते हैं, तो परिवर्तन अवश्यंभावी होता है। आज 1.33 अरब लोगों के हाथों में मोबाइल फोन हैं और डेटा की कीमत 287 रुपये प्रति जीबी से घटकर लगभग आठ रुपये प्रति जीबी रह गयी है। यही लोकतंत्रीकरण है। यही अंत्योदय है।'

उन्होंने कहा कि यह देखना होगा कि देश की नवाचार क्षमता, प्रौद्योगिकी और विचार सीमाओं को पार कर पूरी दुनिया तक कैसे पहुंचें। प्रौद्योगिकी तभी सबसे अधिक प्रभावी होती है, जब उसका लाभ हर एक नागरिक तक पहुंचता है।

पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय की भी जिम्मेदारी संभाल रहे श्री सिंधिया ने कहा कि यह संचार की पहुंच का कमाल है कि आज पूर्वोत्तर राज्यों के शिल्पी अपने उत्पाद विदेशों में निर्यात कर रहे हैं, वे सीधे बाजार से जुड़े चुके हैं।

बाजार में विकृतियों को दूर कर सुधार करने वाले देशों की सूची में भारत ने लगायी 25 पायदान की छलांग

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः पिछले कुछ वर्षों में संरचनात्मक एवं प्रतिस्पर्धा-समर्थक सुधारों के दम पर भारत बाजार विकृतियों को दूर करने वाले देशों की रैंकिंग में 25 पायदान की छलांग लगाकर 57वें स्थान पर पहुंच गया है।

कॉम्पीटीयर फाउंडेशन द्वारा गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, साल 2010 से 2023 के बीच बाजार विकृतियों को कम करने और प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने में हुई प्रगति के कारण यह संभव हो सका है। 'भारत के विकास का अगला मोचाः प्रतिस्पर्धा को हतोत्साहित करने वाली बाजार विकृतियों को कम करके साल 2010 से 2023 के दौरान सुधार की दिशा में प्रगति को आगे बढ़ाना' शीर्षक से जारी इस रिपोर्ट में कहा गया है कि इस दौरान भारत ने कई संरचनात्मक एवं प्रतिस्पर्धा-समर्थक सुधार किये।

इस रिपोर्ट में बाजार विकृति प्रदर्शन सूचकांक के आधार पर भारत के प्रदर्शन का आकलन किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बाजार विकृतियों को कम करने और प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने के लिए किये गये निरंतर प्रयासों के कारण देश की रैंकिंग में सुधार हुआ है।

इस रिपोर्ट का विमोचन यहां इंडिया हैबिटेट सेंटर में सेंटर फॉर ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट लॉ (सीटीआईएल) और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड (आईआईएफटी) ने कॉम्पीटीयर फाउंडेशन फॉर ट्रेड एंड कॉम्पिटिशन पॉलिसी के सहयोग से किया। चर्चा में देश की संरचनात्मक सुधार यात्रा, प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए अपनायी गयी नीतियों तथा बदलते वैश्विक व्यापारिक परिवेश में सतत विकास बनाये रखने के लिए आवश्यक अगले चरण के सुधारों पर विचार-विमर्श किया गया।

रिपोर्ट में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी), दिवाला एवं दिवालियापन संहिता (आईबीसी), नियामकीय वातावरण में सुधार तथा व्यापार सुविधा प्रणालियों के आधुनिकीकरण जैसे प्रमुख सुधारों को रेखांकित किया गया है।

इसके अलावा, रिपोर्ट में प्रतिस्पर्धा, निवेश वातावरण, डिजिटल बाजारों तथा देश की प्रतिस्पर्धात्मकता और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भागीदारी को प्रभावित करने वाली बाहरी नियामकीय बाधाओं से संबंधित विकासक्रम का भी विश्लेषण किया गया है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि प्रतिस्पर्धा नीति में साक्ष्य-आधारित एवं परिणाम-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाना, उपभोक्ता कल्याण के आधार पर विभिन्न क्षेत्रों में निवेश संबंधी प्रतिबंधों की समीक्षा करना तथा अंतरराष्ट्रीय बाजारों में नियामकीय बाधाओं को दूर करने के लिए समान विचारधारा वाले व्यापारिक साझेदारों के साथ सहयोग बढ़ाना आवश्यक है।

ई20 इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का वैज्ञानिक सत्यापन और व्यापक परामर्श के बाद किया गया इस्तेमाल

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः ई20 मिश्रित पेट्रोल को लेकर हर तरफ बहस छिड़ी हुई है। देशभर में ई20 को लागू किए जाने को लेकर उठ रहे सवालों के बीच केंद्र सरकार ने एक बार फिर अपना पक्ष स्पष्ट किया है। सरकार ने कहा कि वैज्ञानिक सत्यापन और व्यापक हितधारक परामर्श के बाद इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल ई20 का इस्तेमाल शुरू किया गया।

केंद्रीय पेट्रोलियम और नेचुरल गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने गुरुवार को लोकसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में बताया कि इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम को नीति आयोग, ऑटोमोबाइल निर्माताओं, सार्वजनिक क्षेत्र के तेल विपणन कंपनियों, ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया, सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स, भारतीय पेट्रोलियम संस्थान-आईआईपी और अन्य तकनीकी संस्थानों को शामिल कर चरणबद्ध, वैज्ञानिक तौर पर मान्य और परामर्श प्रक्रिया द्वारा लागू किया गया है।

उन्होंने कहा कि उच्च इथेनॉल मिश्रण लागू करने का कार्य ऑटोमोबाइल निर्माताओं, सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स, द ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया-एआरएआई, कल पुर्जे निर्माताओं, परीक्षण एजेंसियों और तेल विपणन कंपनियों के साथ व्यापक परामर्श के बाद ही किया गया।

गोपी ने कहा कि एआरएआई, एसआईएएम, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, आईआईपी और ऑटोमोबाइल निर्माताओं द्वारा किए गए व्यापक प्रयोगशाला अध्ययनों और फील्ड परीक्षणों में इंजन की मजबूती, चालन और स्टार्ट करने की क्षमता, जंग प्रतिरोध, सामग्री अनुकूलता, उत्सर्जन और ईंधन दक्षता जैसे मापदंडों को शामिल कर पुष्टि की गई है कि 20 फीसदी इथेनॉल और 80 फीसदी पेट्रोल का मिश्रण-ई20 निर्धारित मानकों के तहत उपयोग के लिए सुरक्षित है।

पांच वर्ष बाद तथा उसके बाद प्रत्येक वर्षगांठ पर कॉल ऑप्शन उपलब्ध

स्टेट बैंक ने चिरस्थायी अवधि के बांड निर्गम से जुटाए 4,691 करोड़ रुपये,ब्याज दर 7.75 प्रतिशत वार्षिक

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबईः देश में सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े बैंकिंग प्रतिष्ठान भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने चालू वित्त वर्ष में अपने पहले चिरस्थायी बांड (एटी1 बांड) निर्गम के जरिए 4,691 करोड़ रुपये जुटाए हैं जिन पर निवेशकों को 7.75 प्रतिशत वार्षिक की दर से ब्याज दर मिलेगा। ये बांड बेसल तीन नियमों के अनुरूप हैं।

बैंक की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार यह बॉन्ड चिर स्थायी प्रकृति के हैं, जिनमें पांच वर्ष बाद तथा उसके बाद प्रत्येक वर्षगांठ पर कॉल ऑप्शन उपलब्ध रहेगा। बासेल3 नियमों के अतिरिक्त इन बॉन्ड को क्रिसिल रेटिंग्स और केयर रेटिंग्स ने 'एए' (स्थिर दृष्टिकोण) की रेटिंग प्रदान की है।

एसबीआई के अनुसार, इस निर्गम का निवेशकों ने जोरदार स्वागत किया और 3,000 करोड़ रुपये की प्राथमिक प्रस्तुति के दो गुना से अधिक बांड के लिए बोलियां मिली।

इन निर्गम में भविष्य निधि कोषों, पेंशन फंड, म्यूचुअल फंड, बैंक तथा अन्य संस्थागत निवेशकों पात्र संस्थागत निवेशकों से कुल 89 बोलियां मिलीं।

एसबीआई के चेयरमैन सी. एस. सेट्टी ने कहा कि विभिन्न श्रेणी के निवेशकों की व्यापक भागीदारी और विविध प्रकार की बोलियां इस बात का प्रमाण हैं कि देश के सबसे बड़े बैंक पर निवेशकों का भरोसा लगातार मजबूत बना हुआ है। उन्होंने कहा कि निवेशकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया को देखते हुए बैंक ने 7.75 प्रतिशत वार्षिक कूपन दर पर 4,691 करोड़ स्वीकार करने का निर्णय लिया है।

स्पेशल खबर

निवेश का अनुमानित आकार लगभग 1,800 करोड़ रुपये

टेक्समैको, टूएक्स और ट्रिनिटी रेल मिलकर बनायेंगे 100 नये रेल रेक

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः पिछले 15 वर्षों से देश के रेलकार लीजिंग क्षेत्र में साझेदार रहे टेक्समैको रेल एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड और टूएक्स ग्रुप ने ट्रिनिटी इंडस्ट्रीज की सहायक कंपनी ट्रिनिटीरेल ग्लोबल के साथ संयुक्त उद्यम बनाने के लिए करार किया है।

तीनों कंपनियां मिलकर टूएक्स टेक्समैको रेलकार लीजिंग प्राइवेट लिमिटेड बनाया है जो अगले तीन से पांच साल में 100 नयी रेल रेक में निवेश करेगी। वर्तमान बाजार मूल्य के अनुसार इस निवेश का अनुमानित आकार लगभग 1,800 करोड़ रुपये है।

इस विस्तारित साझेदारी के तहत अब भारतीय विनिर्माण क्षमता, लगभग दो शताब्दियों का यूरोपीय लीजिंग अनुभव और उत्तर अमेरिका की उन्नत रेल इंजीनियरिंग विशेषज्ञता एकीकृत मंच पर साथ आयेंगे। नयी हिस्सेदारी संरचना के अनुसार, टेक्समैको और टूएक्स की कंपनी में 34-34 प्रतिशत हिस्सेदारी बनी रहेगी, जबकि ट्रिनिटीरेल के पास शेष 32 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी।

टेक्समैको रेल एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड एवं एडवेंट्ज ग्रुप के अध्यक्ष सरोज कुमार पोद्दार ने कहा, 'टूएक्स और ट्रिनिटीरेल के साथ यह संयुक्त उद्यम देश के लिए भविष्य-उन्मुख रेल माल परिवहन प्रणाली विकसित करने की दिशा में टेक्समैको की यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। भारत की विनिर्माण क्षमता, यूरोप की लीजिंग एवं एसेट मैनेजमेंट विशेषज्ञता और उत्तर अमेरिका की उन्नत रेल इंजीनियरिंग क्षमताओं को एक साथ लाकर हम डिजाइन, विनिर्माण, वित्तपोषण, लीजिंग, रखरखाव, लाइफ-साइकिल इंजीनियरिंग और एसेट मैनेजमेंट को समाहित करने वाला एकीकृत मंच तैयार कर रहे हैं।'

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय रेल योजना के तहत देश का लक्ष्य माल परिवहन में रेल की हिस्सेदारी 27 प्रतिशत से बढ़ाकर 45 प्रतिशत करना है। इसके लिए बड़ी संख्या में नये वैगनों की आवश्यकता होगी। ऐसे समय में तकनीक आधारित और नवोन्मेषी रेल समाधान पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं। यह साझेदारी स्वदेशी डिजाइन क्षमताओं को मजबूत करेगी, वैश्विक विशेषज्ञता को भारत तक लायेगी और 'विकसित भारत' के लक्ष्य को साकार करने में योगदान देते हुए देश की रेल लॉजिस्टिक्स को अधिक दक्ष, प्रतिस्पर्धी और भविष्य के लिए तैयार करेगी।

पीएसबी एक्सचेंज से जुड़ा पंजाब नेशनल बैंक

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबईः पीएसबी एलायंस और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने पीएसबी एक्सचेंज प्लेटफॉर्म पर पंजाब नेशनल बैंक को ऋण साझेदार के रूप में शामिल करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

उद्यमों को व्यावसायिक कर्ज उपलब्ध कराने वाले एकीकृत डिजिटल ऋण प्लेटफॉर्म पीएसबी एक्सचेंज और देश के तीसरे सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, पीएनबी की इस साझेदारी के बारे में जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि इसके जरिए पीएनबी अब पीएसबी एक्सचेंज प्लेटफॉर्म के माध्यम से योग्य उधारकर्ताओं को डिजिटल सप्लाई चेन फाइनेंस समाधान उपलब्ध कराएगा। पीएनबी के कार्यकारी निदेशक एम. परमशिवम ने कहा, 'यह सहयोग एमएसएमई क्षेत्र के लिए, समय पर कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराने और हमारे वित्तीय तंत्र में डिजिटल अपनाने को बढ़ावा देने की हमारी सोच के अनुरूप है।'

पीएसबी एलायंस की एमडी एवं सीईओ अंजलि मोहंती ने कहा, 'पंजाब नेशनल बैंक का इस प्लेटफॉर्म से जुड़ना नेटवर्क विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक के जुड़ने से हम तकनीक आधारित और निर्बाध कार्यशील पूंजी समाधान उपलब्ध कराने की अपनी सामूहिक क्षमता को और मजबूत कर रहे हैं।'